होरेशियो की यात्रा

माइकल

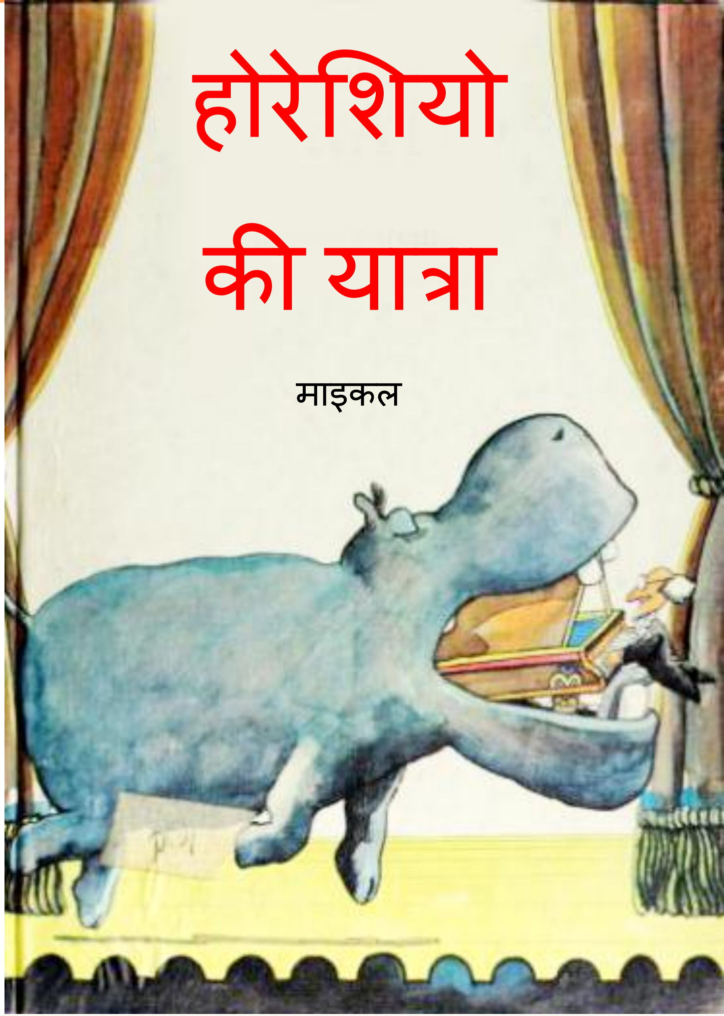

होरेशियो
की यात्रा

जंगल के किनारे, जहां नदी मुड़ती थी, वहीँ पर कीचड़ में गेंडों की एक बस्ती थी. वहाँ सभी गेंडे खुश थे. वे कीचड़ में खेलते, लोटते और चिल्लाते थे - होरेशियो को छोड़कर. वो कुछ और करने की चाह रखता था. उसने जंगल के ऊपर मुक्त पक्षियों को उड़ते हुए देखा और फिर अपने विशाल, भारी और बेडौल शरीर को महसूस किया. उसे चिड़ियों से जलन थी. पक्षी कितने स्वतंत्र थे! वो उनके गीत सुनता था और उनसे दुनिया के बारे में अनेकों कहानियां सुनता था.

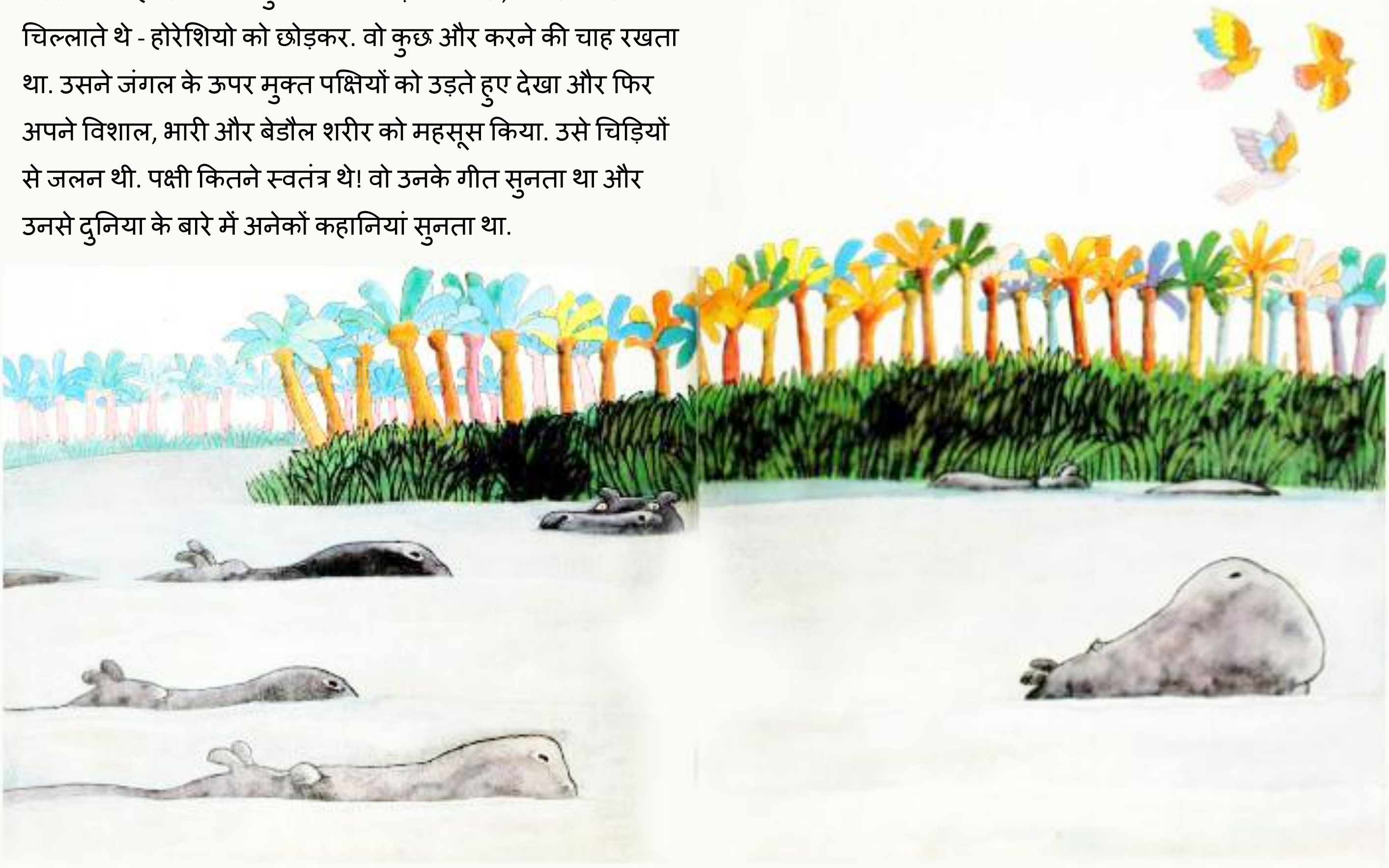

"हम हर दिन कीचड़ में अपनी आँखों तक क्यों डूबे रहते हैं?" उसने अपने पिता से पूछा. "हम मक्का के खेतों और बर्फ से ढकी पहाड़ियों पर क्यों नहीं जा सकते, और हम गेंदे के फूल क्यों नहीं ढूंढ सकते? हम गाँव या शहर जाने वाले रास्तों पर क्यों नहीं जाते? हम रेलवे का सफर करके पूरी दुनिया क्यों नहीं घूमते?"

होरेशियो के पिता ने अपना सिर हिलाया.

"मेरे पिता और उनके पिता और उनके पिता के पिता के लिए यह कीचड़ काफी अच्छी थी. तुम्हारी मां और मेरे लिए भी यह कीचड़ काफी अच्छी है. इसलिए मुझे लगता है कि तुम्हारे लिए भी यह कीचड़ काफी अच्छी होनी चाहिए."

बाकी सभी हिप्पो इस बात से सहमत थे.

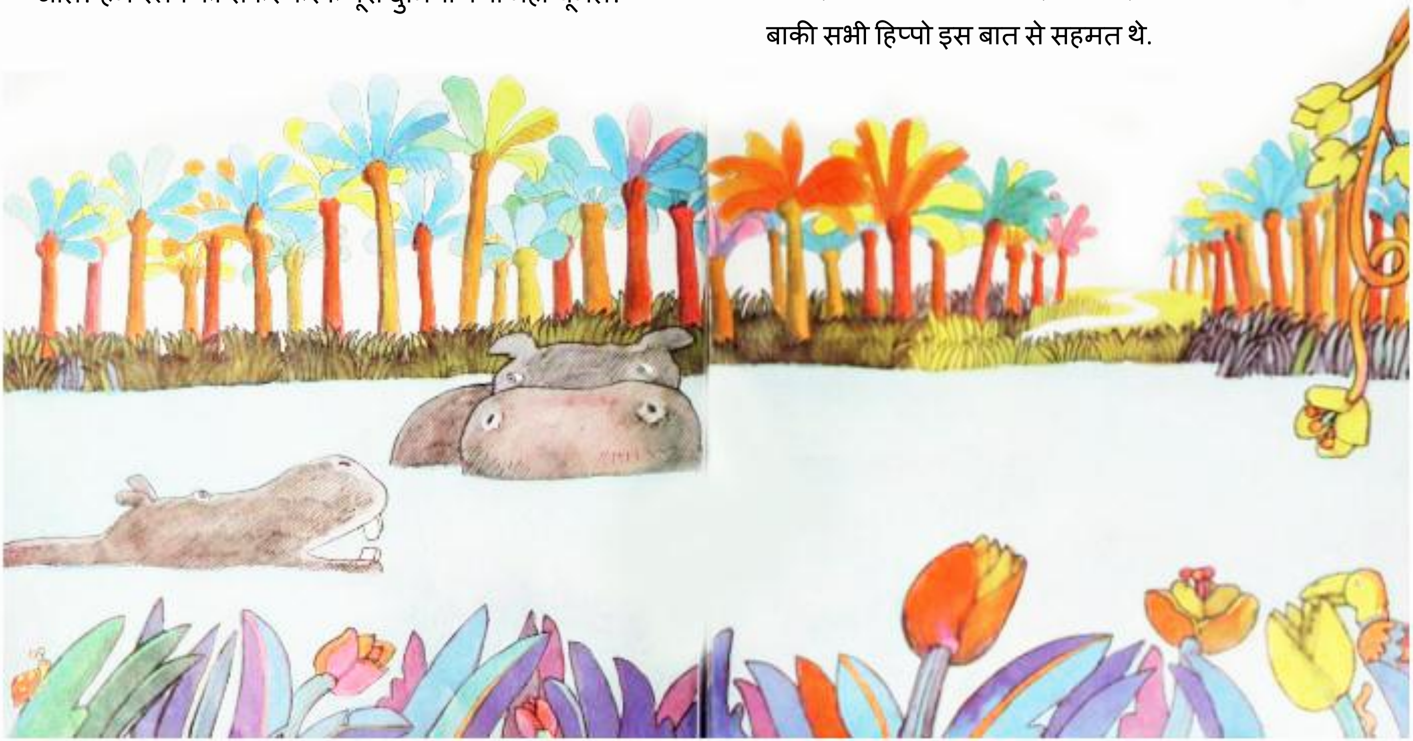

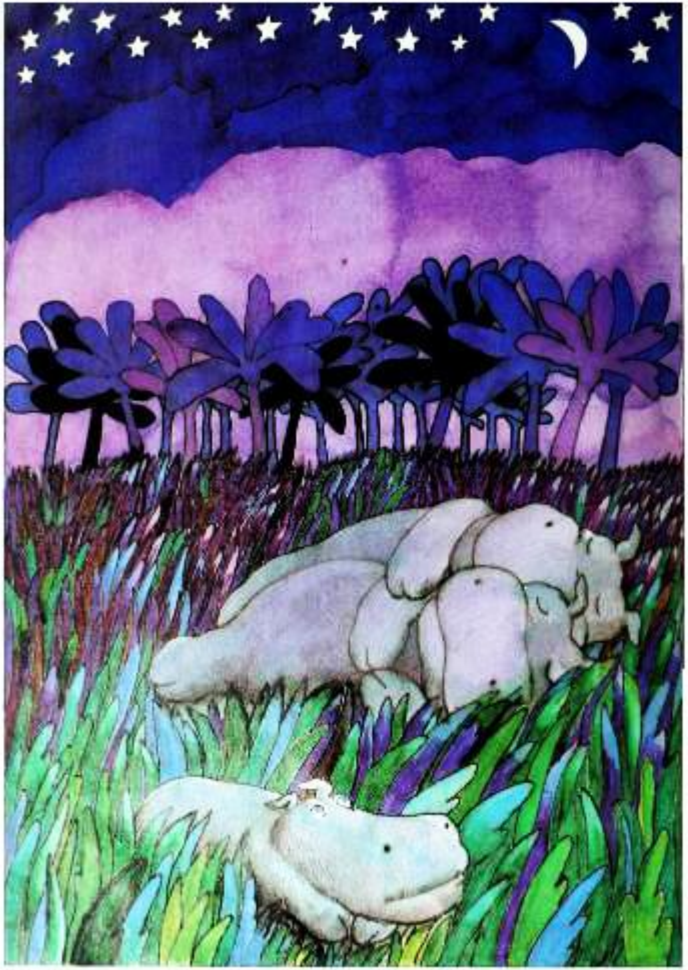

होरेशियो ने पूरी रात जागकर पिता की बात पर सोच-विचार किया. वैसे उसे जंगल और अपने परिवार से काफी प्यार था. लेकिन वो यह जानता था कि जब तक वो पूरी दुनिया नहीं देखेगा तब तक वो कभी भी खुश नहीं होगा. इसलिए, अगली सुबह, जब बाकी गेंडों ने हलचल शुरू की, तो होरेशियो ने उसके सामने अपनी यात्रा की घोषणा की. और फिर वो यात्रा पर चल पड़ा.

उसने कई दिनों और रातों की यात्रा की. उसने ऐसे कई स्थान देखे जिसे उसने पहले केवल पक्षियों के गीतों में सुना था. जल्द ही वो शहर पहुंच गया. लेकिन वहां हर कोई इतना व्यस्त था कि किसी के भी पास गेंडे के लिए समय नहीं था.

"मुझे परेशान मत करो, साथी." वो होरेशियो से कहते. "तुम जाकर पतंग क्यों नहीं उड़ाते!"

उसने पतंग उड़ाने की कोशिश भी की, लेकिन शहर उसे बहुत अच्छा नहीं लगा. हवा में लहराती पतंग की पूंछ ने उसे जंगल के ऊपर उड़ती खूबसूरत पक्षियों की याद दिलाई. होरेशियो ने सोचा काश वो कभी अपने घर से बाहर न निकला होता! लेकिन उसे लगा कि अगर वो इतनी जल्दी बिना दुनिया देखे वापस लौटा तो फिर बाकी गेंडे उसका मज़ाक उड़ाएंगे.

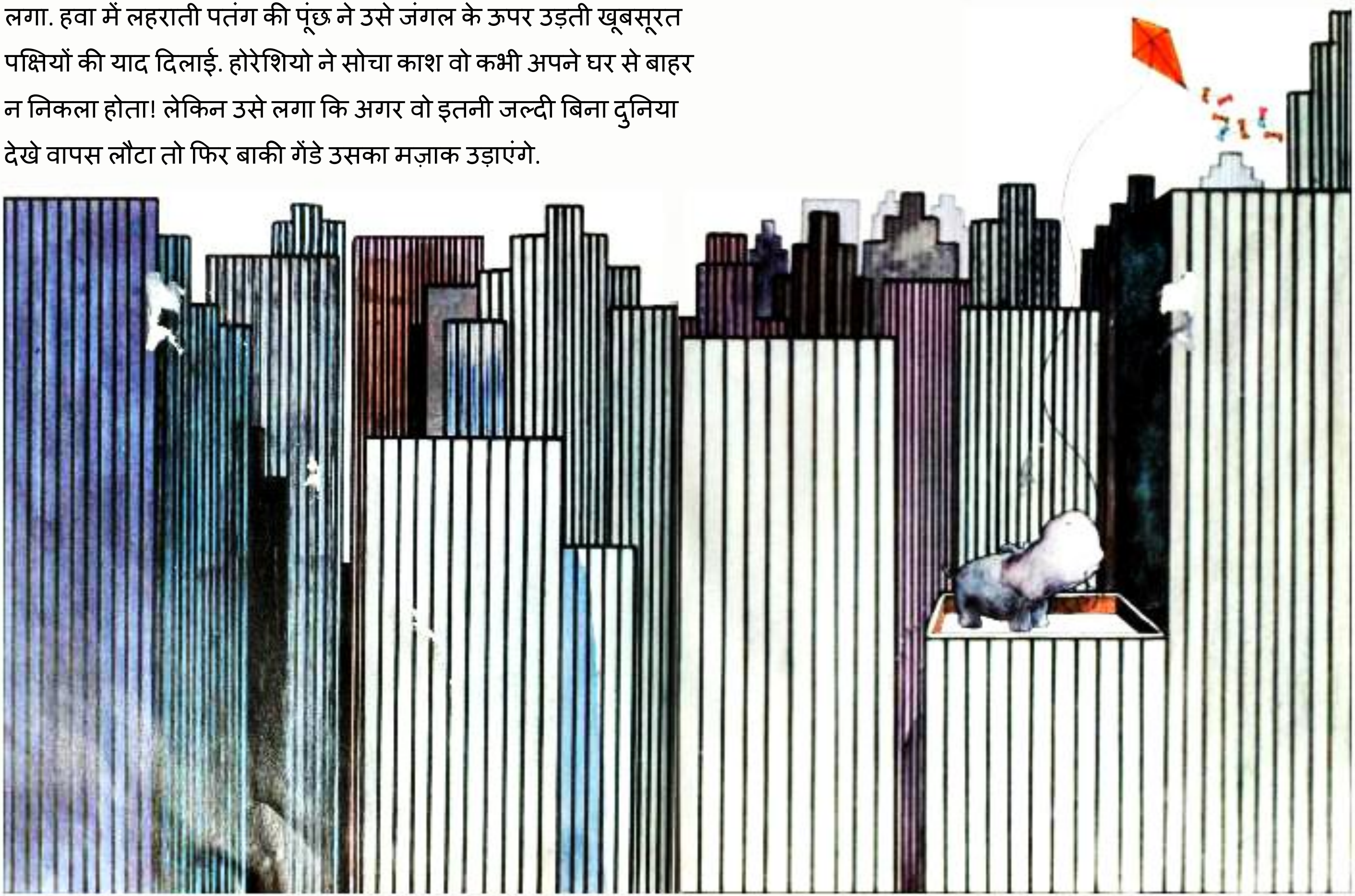

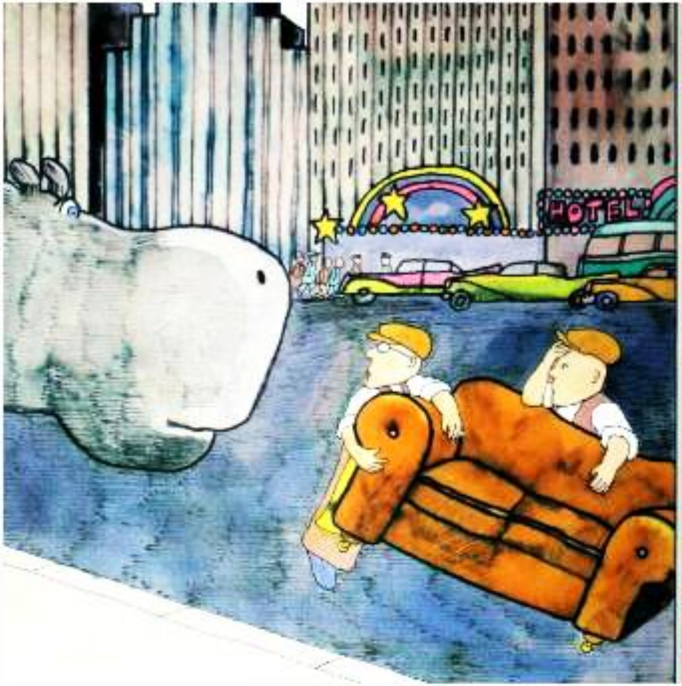

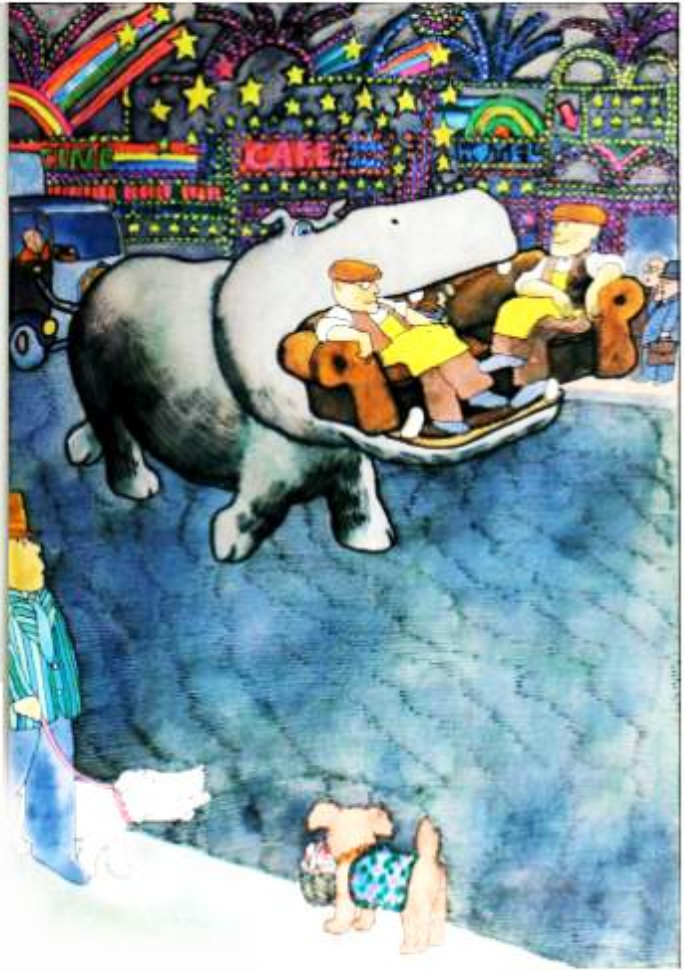

अफसोस में डूबा होरेशियो शहर की सड़कों की चहलकदमी करने लगा. फिर, एक दिन उसने दो आदमियों को एक भारी सोफा उठाने के लिए संघर्ष करते देखा. होरेशियो ने उनकी मदद करने की पेशकश की. उन लोगों ने होरेशियो को गौर से देखा और फिर उसे अपने साथ काम करने के लिए आमंत्रित किया.

तब से होरेशियो अपने नए दोस्तों की मदद करने लगा.

एक शाम जब वह संगीत सभागृह का ग्रैंड पियानो लेकर जा रहा था, तो उसका ढक्कन अचानक खुल गया और पियानो उसके मुंह में अटक गया. बहुत कोशिश करने के बाद भी पियानो उसके मुंह से नहीं निकला.

"अरे बाप रे!" होरेशियो ने सोचा, "अब मैं क्या करूं?"

लेकिन कुछ भी करने का समय ही नहीं था,

क्योंकि संगीत का कार्यक्रम तुरंत शुरू होने वाला था.

"उस्ताद पिज़ेट्टी को ऐसे ही

पियानो बजाना होगा,"

प्रबंधक ने आदेश दिया.

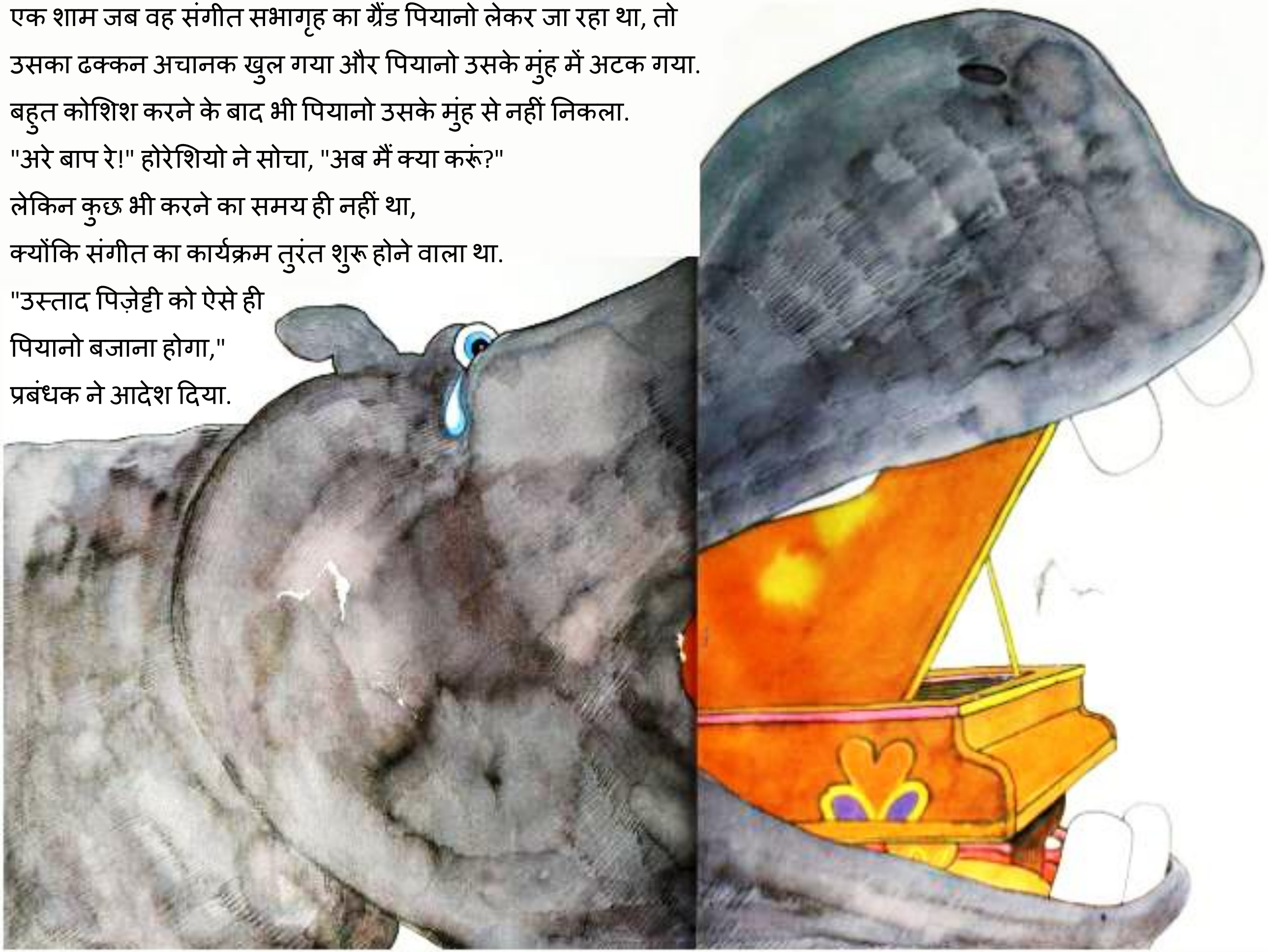

पिज़ेट्टी जब पियानो की ओर बढे तो दर्शकों का मन कुछ मुरझाया.

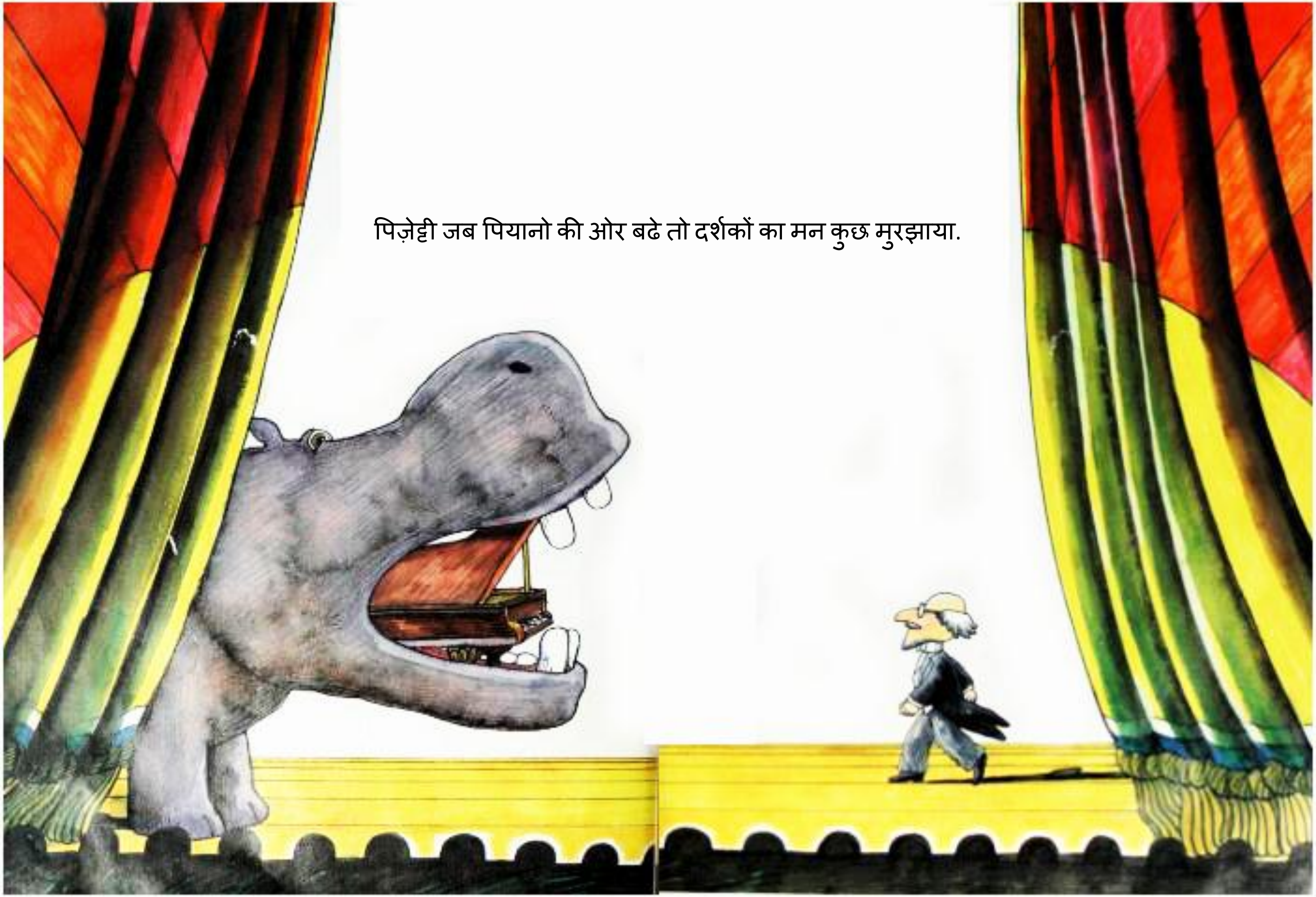

जब उस्ताद पिज़ेट्टी पियानो बजाने लगे तब होरेशियो ने चिंता करना बंद कर दी. उसने अपनी आँखें बंद कर लीं और फिर उसका शरीर संगीत की लय पर थिरकने लगा. उसने जंगल पक्षियों के बारे में सोचा और फिर उसे ऐसा लगा जैसे वो उड़ रहा हो. फिर उससे रुका नहीं गया. धीरे-धीरे, वह पूरे मंच पर नृत्य करने लगा.

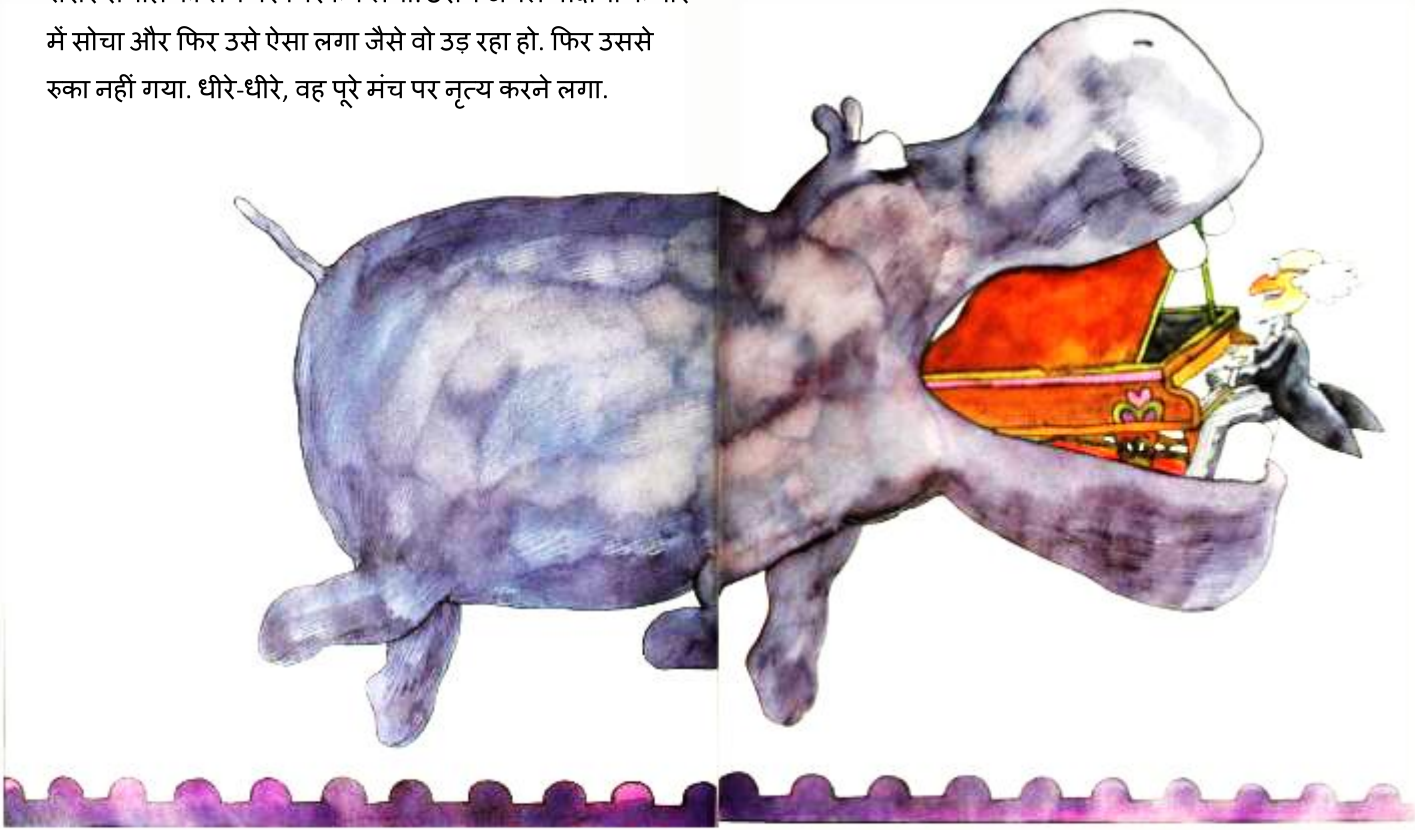

संगीत कार्यक्रम के अंत में, अपने दिल में समाए संगीत को होरेशियो ने अचानक एक लम्बे मधुर सुर में बाहर उड़ेल दिया. फिर पिज़ेट्टी और पियानो उसके मुँह से बाहर निकल गए.

दर्शकों में अफरा-तफरी मच गई. "ब्रावो! संगीत को दोहराओ!" लोगों ने खुश होकर तालियां बजाईं. संगीत कार्यक्रम बहुत सफल हुआ!

होरेशियो तत्काल सफलता के शिखर पर पहुँच गया. जब उसने संगीत सभागृह छोड़ा तब होरेशियो और उस्ताद पिज़ेट्टी को टेलीविजन पर कार्यक्रम करने का और पूरी दुनिया का दौरा करने का एक कॉन्ट्रैक्ट मिला.

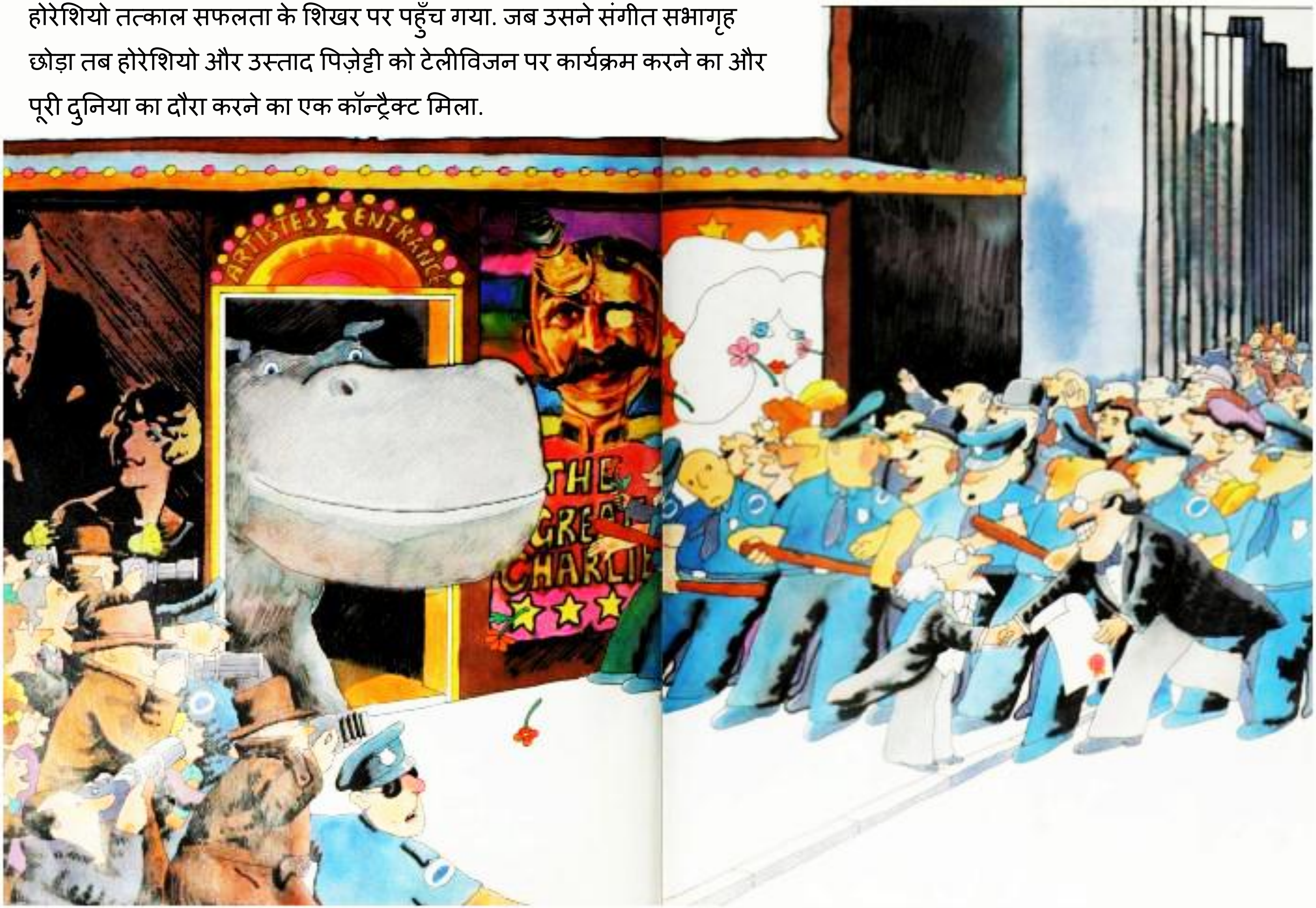

वे हर जगह गए, और हर जगह भीड़ ने उनका दिल खोलकर स्वागत किया. पूरी दुनिया ने "हिप्पो" नृत्य किया. होरेशियो अब जग प्रसिद्ध हो गया.

दौरे के अंत में, जब वो एक संगीत कार्यक्रम को ख़त्म करके बाहर निकला, तभी होरेशियो को पक्षियों का एक झुंड उड़ते हुए दिखाई दिया. उन्हें देखकर होरेशियो को अपने जंगल वाले घर की बहुत याद आई. तब उसे महसूस हुआ कि वो अपने परिवार और दोस्तों के बिना कितना अकेला था. वो उन्हें अपनी यात्राओं के बारे में बताने को भी लालायित था.

संगीत कार्यक्रम समाप्त होने के बाद उसने उस्ताद पिज़ेट्टी को अपने दिल की बात बताई.

"मुझे तुम्हारी बहुत याद आएगी," उस्ताद ने कहा.

"तुम्हें निश्चित रूप से अपने घर वापस जाना चाहिए! तुमने हम लोगों को बहुत कुछ दिया है और अब तुम अब अपने लोगों को भी जाकर कुछ दो.”

उसके बाद होरेशियो वापस जंगल चला गया.

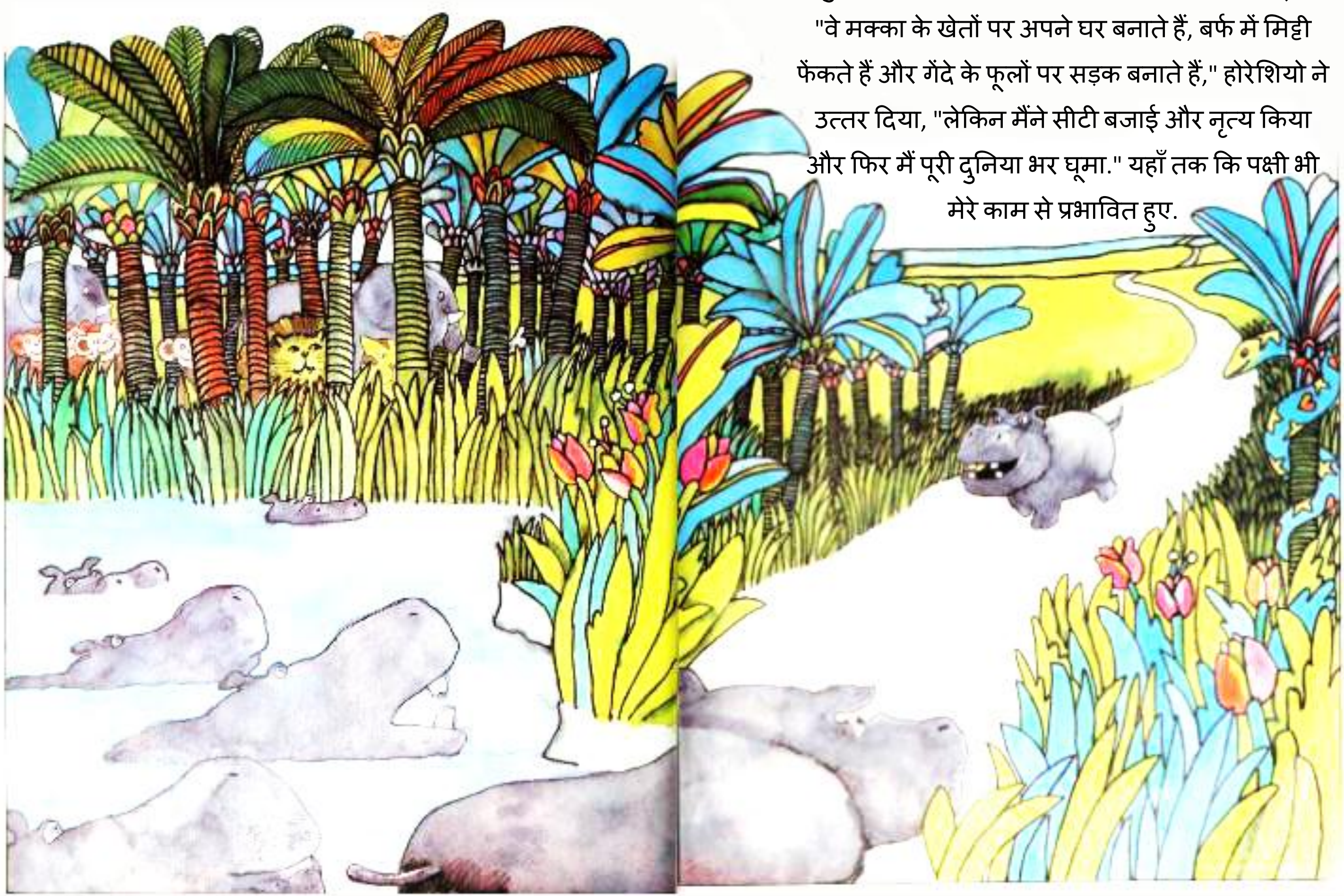

"दुनिया कैसी थी?" पिता ने होरेशियो को देखते ही पूछा. "वे मक्का के खेतों पर अपने घर बनाते हैं, बर्फ में मिट्टी फेंकते हैं और गेंदे के फूलों पर सड़क बनाते हैं," होरेशियो ने उत्तर दिया, "लेकिन मैंने सीटी बजाई और नृत्य किया और फिर मैं पूरी दुनिया भर घूमा." यहाँ तक कि पक्षी भी मेरे काम से प्रभावित हुए.

"यदि होरेशियो ऐसा कर सकता है, तो हम भी वैसा कर सकते हैं!" युवा गेंडों ने कहा.

"बेशक!" होरेशियो ने कहा. “हम दुनिया के पहाड़ों, जंगलों, रेगिस्तानों और बागों में एक-साथ चल सकते हैं.

हम साफ़ तालाबों में तैर सकते हैं और महासागरों को देख सकते हैं. हम एक फुटबॉल टीम या संगीत कम्पनी का निर्माण कर सकते हैं, हम नर्तक और डॉक्टर, कवि और पतंग उड़ाने वाले बन सकते हैं ...”

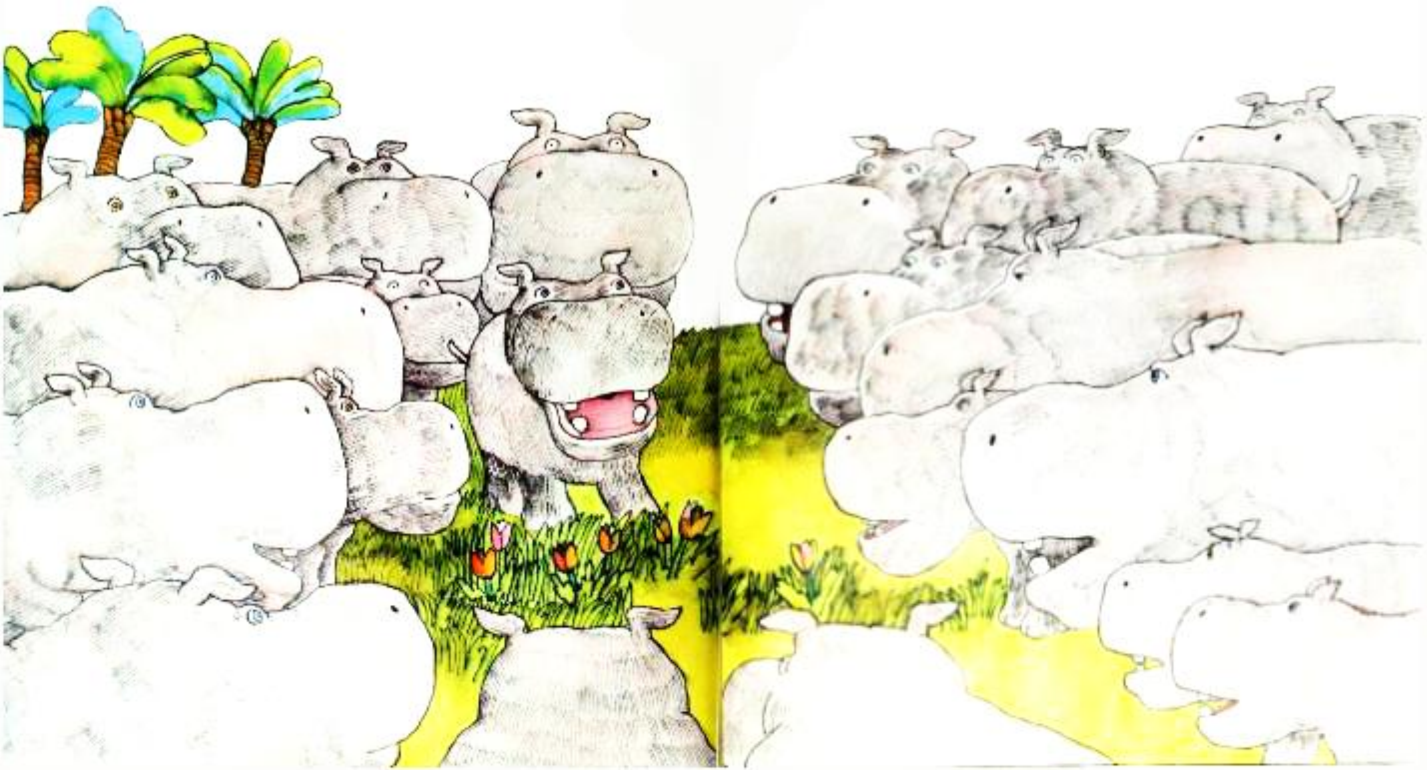

सुबह जब तक बूढ़े गेंडे सोकर उठे तब तक युवा गेंडे पहले ही शहर के लिए रवाना हो चुके थे.

समाप्त